This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

1145

B.A. (Hons.) बी.ए. (ऑनर्स) / II B

HINDI – Paper V

हिन्दी – प्रश्न-पत्र V

आधुनिक काव्यधारा – I

(नवजागरण और स्वच्छंदतावाद)

(प्रवेश-वर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 38**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) निशि की अँधेरी जवनिके, चुप-चेतना जब सो रही,
नेपथ्य में तेरे, न जाने, कौन सज्जा हो रही !
मेरी नियति, नक्षत्र-मय ये बीज अब भी बो रही,
मैं भार फल की भावना का व्यर्थ ही क्यों ढो रही !
भर हर्ष में भी, शोक में भी अश्रु, संसृति रो रही,
सुख-दुःख दोनों दृष्टियों से सृष्टि सुध-बुध खो रही !

अथवा

मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गम्भीर अनन्त नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास,
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास !
तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती !
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती ।

(ख) निकल सृष्टि के अन्ध गर्भ से छाया तन बहु छायाहीन,
चक्र रच रहे थे खल निशिचर चला कुहुक टोना माना !
छिपा रही थी मुख शशिबाला निशि के श्रम से हो श्रीहीन,
कमल क्रोड़ में बन्दी था अलि, कोश शोक से दीवाना !
मूर्छित थी इन्द्रियाँ, स्तब्ध जग, जड़ चेतन सब एकाकार
शून्य विश्व के डर में केवल साँसों का आना-जाना !

अथवा

जब वह आयेगा, द्विधा-द्वन्द्व बिनसेगा,
आलिंगन में अवनी को व्योम कसेगा ।
विज्ञान धर्म के धड़ से भिन्न न होगा,
भवितव्य भूत-गौरव से छिन्न न होगा ।
जब वह आयेगा, खल कुबुद्धि छोड़ेंगे,
सब साँप आप ही फन अपने तोड़ेंगे,
विषवाह-अभ्र गाँधी पर नहीं घिरेंगे,
शान्ति के नीड़ में गोले नहीं गिरेंगे । **6, 6**

2. 'यशोधरा' के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'यशोधरा' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की नारी-भावना का परिचय दीजिए । **9**

3. लम्बी कविता के काव्य-विधान की दृष्टि से 'प्रलय की छाया' कविता का मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

छायावादी तत्त्वों के आधार पर 'लहर' की समीक्षा कीजिए । **9**

4. 'परिवर्तन' कविता के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए ।

अथवा

'परशुराम की प्रतीक्षा' के आधार पर 'दिनकर' की राष्ट्रीय चेतना का विश्लेषण कीजिए । **8**